Total Pages : 4 Roll No. .....

CAHC-02

जड़ी-बूटियों का संरक्षण, भण्डारण एवं व्यवसायीकरण

Certificate in Ayurvedic Herb Cultivation (CAHC-16/17)

Examination, 2019 (June)

Time : 3 Hours] **Max. Marks : 40**

नोट : यह प्रश्नपत्र चालीस (40) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों क, ख तथा ग में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए साढ़े नौ (9½) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×9½=19)

1. भारत में जड़ी-बूटियों की विपणन व्यवस्थता एवं आयात-निर्यात पर एक आलेख लिखिए।

2. औषधीय पौधों की कायिक प्रवर्धन विधियों का विस्तृत वर्णन कीजिए।

3. कीट एवं रोग प्रबन्धन का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

4. औषधीय द्रव्यों के संग्रह हेतु प्रसस्त भूमि एवं संग्रहकाल का विस्तार से वर्णन कीजिए।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए चार (04) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×4=16)

1. औषध संग्रहकर्ताओं हेतु सामान्य निमकों का उल्लेख कीजिए।

2. भारत में जड़ी-बूटी के आयात-निर्यात पर आलेख लिखिए।

3. ऋतु अनुसार औषध द्रव्यों के प्रयोज्याँगों के संग्रहकाल का विस्तृत वर्णन कीजिए।

4. निम्नलिखित पर टिप्पणी कीजिए :

   (अ) जैविक बाड़।

   (ब) जाँगल एवं आनूप देश।

5. आर्गेनिक फार्मिंग को परिभाषित करते हुए इसकी आवश्यकता और इससे होने वाले लाभों का वर्णन कीजिए।

6. राष्ट्रीय औषध पादप बोर्ड द्वारा प्रोत्साहित किए जा रहे किन्हीं दस औषधीय पौधों के हिन्दी व वानस्पतिक नामों का वर्णन कीजिए।

7. जड़ी-बूटी शोध संस्थान, गोपश्वर के मुख्य उद्देश्यों को स्पष्ट कीजिए।

8. भेषजागार एवं लेवलिंग पर टिप्पणी कीजिए।

खण्ड-ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आधा (½) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। (10×½=05)

सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. देवदारू का मुख्य प्रयोज्याँग है :

(अ) पत्र। (ब) काव्यसार।

(स) मूल। (द) फल।

2. किस नक्षत्र में औषधि-संग्रह करने पर वे प्रबल गुणकारी होती है :

(अ) पुष्प। (ब) अश्विनी।

(स) मृगशिरा। (द) उपर्युक्त सभी।

3. अर्जुन का मुख्य प्रयोज्याँग है :

(अ) छाल। (ब) सार।

(स) निर्यास। (द) पत्र।

4. ब्राह्मी का व्यावसायिक प्रवर्धन किया जाता है :

(अ) कलम विधि से। (ब) तना प्ररोह विधि से।

(स) मूल प्ररोह विधि से। (द) उपरि भूस्तरी विधि से।

5. राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम का आरम्भ हुआ था :

(अ) 10 मई 2002 में। (ब) 4 मई 2002 में।

(स) 8 मई 2002 में। (द) 6 मई 2002 में।

सत्य/असत्य चुनिए

6. मनी मार्जिन योजना खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग मुम्बई द्वारा संचालित की जाती है।

7. बिल्ब फल को औषध प्रयोग हेतु सुपक्व (पका) लेना चाहिए।

8. बबूल का मुख्य प्रयोज्याँग पुष्प है।

9. आचार्य सुश्रुत के अनुसार सम्पूर्ण द्रव्य सौम्य व आग्नेय है।

10. आतीस का वानस्पतिक नाम Plumbago Zeylanica है।